(घ) वर्ष 1990-91 के वर्ष के लिये ऊन प्रभाग, जोधपुर की क्या-क्या उपलब्धियां हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जोधपुर में कोई ऊन प्रभाग नहीं है। लेकिन जोधपुर स्थित ऊन विकास बोर्ड का वर्ष 1990-91 के लिए वार्षिक बजट 5 लाख रु० का था।

(ख) ऊन विकास बोर्ड के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

(ग) ऊन विकास बोर्ड ने वर्ष 1991-92 के परियोजना प्रस्ताव क्लीयर कर दिये गये हैं ।

(घ) ऊन विकास बोर्ड, जोधपुर ने निम्नलिखित कार्यक्रम शुरू किये हैं।

(1) मार्च, 1990 में ऊन की ग्रेडिंग और विपणन पर जामनगर में एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

(2) ऊन विकास बोर्ड ने केन्द्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविका नगर और राजस्थान भेड़ और ऊन सहकारी विपणन परिसंघ के सहयोग से 6 और 7 फरवरी, 1991 को भेड़ स्थानान्तरण के सम्बन्ध में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का

(3) ऊन विकास बोर्ड ने 11 मार्च, 1991 को जयपुर में ऊनी उत्पादों के विविधीकरण पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसका उद्देश्य घरेलू ऊन के प्रयोग को अनुकूलतम बनाना तथा ऊनी उत्पादों के निर्यात को अधिकतम बनाना था।

Production of doth

997. SHRI RAM NARESH YADAV: Wilt the Minister of TEXTILES be pleased to stale:

(a; what was the production of doth in metre, during the last three years; yew-wise;

(b) what was its total production in the organised and unorganised sector during these years;

(c) whether the production was enough to meet the requirement in the country; and

(d) what is the availability of cloth per capita in the country at present?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and(b) Production of cloth during last three years was as follows:

(Million sq. mts.)

Sector	1988-89	1989-90	1990
Organised Mill Sector	2,948	2,781	2,720
Decentralised Sector (Handloom and Powerloom)	15,236	15,941	17,634
TOTAL	18,184	18,722	20,354

(c) Government have not received any report about shortage of cloth in the country from any quarter.

id) Per capita availability of doth ra the country during 1990-91 was 20.89mts mts.